भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या:1152

दिनांक 09 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

जनजातीय समुदाय के बीच सिकल सेल रोग

1152. श्री प्रद्युत बोरदोलोई :

श्री जगदम्बिका पाल:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या जनजातीय समुदाय के बीच सिकल सेल रोग (एमसीडी) के मामले सामने आए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी लिंग-वार और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस बीमारी का पता लगाने के लिए जनजातियों की जांच शुरू की है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसमें क्या प्रगति हुई है और जांच पूरी करने के लिए क्या समय-सीमा तय की गई हैं;

(घ) क्या सरकार द्वारा विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में उक्त बीमारी के बारे में जनजातीय समुदायों का शिक्षित करने के लिए क्या पहल की गई है/पहल की जा रही है और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं; और

(ड.) सरकार द्वारा सिकल सेल रोग के संबंध में जनजातीय लोगों के बीच रक्त जांच को लेकर नकारात्मक धारणा को रोकने/दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (प्रो एस.पी.सिंह बघेल)

(क) से (ङ): सिकल सेल रोग एक आनुवंशिक रक्त रोग है जो रोगी को जीवनभर प्रभावित करता है। यह भारत की आदिवासी आबादी में ज्यादा सामान्य है, लेकिन गैर-आदिवासियों में भी होता है। यह न केवल एनीमिया

का कारण बनता है बल्कि असहनीय दर्द, वृद्धि को कम करता है और फेफड़े, हृदय, गुर्दे, आंखों, हड्डियों और मस्तिष्क जैसे कई अंगों को प्रभावित करता है।

वर्ष 2047 तक सिकल सेल रोग को जड़ से खत्म करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 1 जुलाई, 2023 को मध्य प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन शुरू किया गया है। मिशन के उद्देश्य सभी सिकल सेल रोगग्रस्त रोगियों को किफायती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण परिचर्या का प्रावधान करना, जागरूकता सृजन के माध्यम से सिकल सेल रोग की व्याप्तता में कमी करना, जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावित 278 जिलों में 0-40 वर्ष के आयु वर्ग में वर्ष 2025-26 तक 7 करोड़ लोगों की लक्षित जांच और केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों के परस्पर सहयोगात्मक प्रयासों से परामर्श देना है। दिनांक 31.01.2024 तक,17 चिह्नित राज्यों में कुल 1,54,23,518 आबादी की जांच की गई है।

दिनांक 31.01.2024 तक देश के जनजातीय क्षेत्रों में रिपोर्ट किए गए सिकल सेल रोग के मामलों का लिंग-वार और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण अनुलग्नक में संलग्न है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक राष्ट्रीय सिकल सेल पोर्टल अर्थात् https://sickle.nhm.gov.in लॉन्च किया है जहां स्क्रीनिंग की उपलब्धि का आकलन किया जा सकता है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से जागरूकता और परामर्श सामग्री तैयार की गई है। रोग जांच और प्रबंधन के प्रचार के लिए सूचना, शिक्षा एवं संप्रेषण और मीडिया कार्यकलाप अपनाए जाते हैं। राज्य सरकारों को मिशन के कार्यकलापों के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

अनुलग्नक

देश के जनजातीय क्षेत्रों में सूचित सिकल सेल रोग के मामलों का लिंग-वार और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	निम्नलिखित में सूचित सिकल सेल रोग के मामलों की संख्या			कुल मामले
		पुरुष	महिला	किन्नर	
1	आंध्र प्रदेश	610	718	0	1328
2	असम	10	60	0	70
3	बिहार	1	0	0	1
4	छत्तीसगढ़	8492	9712	3	18207
5	गुजरात	1086	1588	1	2675
6	झारखंड	12	20	0	32
7	कर्नाटक	32	42	0	74
8	केरल	15	17	0	32
9	मध्य प्रदेश	4460	6697	0	11157
10	महाराष्ट्र	6318	8842	3	15163
11	ओडिशा	16312	32782	1	49095
12	राजस्थान	113	123	0	236
13	तमिलनाडु	42	189	0	231
14	उत्तर प्रदेश	1	0	0	1
15	उत्तराखंड	15	12	0	27
16	पश्चिम बंगाल	1212	2319	1	3532
17	तेलंगाना	59	101	0	160
	कुल	**38790**	**63222**	**9**	**102021**

*****